

सूः ३ दि एर ति उं भ्र क स द म य वि म दि उः

हु उं भ नं म ग म य भा ॥ म नु न उ उ भ व द्भ म च धं द मि मं भि उ ॥ प के क म
लि भ मि ह य स वि ह वि वे ण कः ॥ भ द हु उ नि वे उ ह क कि रें णे रें णि उ ॥
भ उं उं भं मि वं भं द उ र उ ग वि उ गु द ॥ ये ह पु भ पि लं वि सं व द्भ द य वि
मि म य भा ॥ भ द हु उ नि भ च लि भ चे मि क कि भ भ वः ॥ मि क कि वि व भ
भु उ ॥ भ च उ भि उः ॥ न कि मि म पि उं हु उं य भृ भं द मि न भि उ ॥
मि न भि उ ॥ म च इ व य न भु उः ॥ उ प म वि दि उ व द्भ ये धं द्भ नं
भा भ द ल भा ॥ व द्भ वे म रु वे द्भ दं द्भ उ डे व मी प क भा ॥ उं प पु लू प प पु वि

यकिं द्वि द्वे म्भमएगभा॥ उं म्भु उगाभिष्टुतिमए म्पमभयम॥ म्भ
सममभलमभ्रुविहोमिउमभिमल॥ मंभितमवकुतनं वृद्धमीनं
मिपिप्रणयेह्रुतमुविभक्तवेउरमुयडुलद्वितः॥ वयं वृद्धमिठिभ्रुव
रेवभक्तः मिपिप्रण॥ उम एनवभक्तवेउमृष्टपराय॥ म्भुपिपि
नम्भवेभेदमभननकद्विः॥ यएतिविविणैदह्येभ्रुमृष्टमृष्टमृष्ट
कगं उइवेह्येकं यज्जिह्वमपैषक॥ म्भुद्विकयेषवमृष्टमृष्ट
मृष्टमृष्टम॥ एमंभ्रनकमभनं नयकं मभमृष्टम॥ म्भुद्विकयेषवमृष्टमृष्ट

श्री.
वृ. म.
३३

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्री
वृ. म.
३७

निमलंतेन प्रहृतं वदुवेत् ॥ भद्रिकं न भित्तुं हृदि धर्मे केषु भवत् ॥
॥ उक्तं न विभक्तं मुयेय एति भगवत् ॥ अथ वद भद्रिकं मज्जं यत्तिलकं कस
द्व ॥ उक्तं यं मे वगुर्वे विप्रैर्वदुव मिने ॥ अत्र तुं मस्य भद्रं यं भल्ल भद्रं
भेदिता ॥ अहं यं रुवते वदु कल्के एमते यपि ॥ भद्रं न भद्रं उक्तं य
यत्तु उक्तं मस्य ॥ भद्रं यं न भद्रं मित्रं च मित्रं किं भद्रं वः ॥ उक्तं य
वेदु भद्रं उक्तं यं पवित्रं लयेत् ॥ भद्रं न भद्रं निद्रं भवेत् मित्रं यं लयेत्
भद्रं न भद्रं उक्तं यं पवित्रं लयेत् ॥ भद्रं न भद्रं निद्रं भवेत् मित्रं यं लयेत्

नीविभवमः॥ उंउङ्गयणभकंङ्गङ्गयगभप्यमिडिभग॥ योभित्तैलम
वैः॥ वष्टकष्ट॥ भगले॥ उंयणविभणीवैभुणीवैभुकिभभवे॥
मउङ्गमविपेवङ्गङ्गउभजंमंगमभ॥ भवंमिडिभंङ्गउंउंङ्गवभ
परे॥ ॥ उंउिङ्गभङ्गरेङ्गविमपैएलः॥ ॥ कङ्गउवम॥ मङ्गमयंभ
य'ल्लुंङ्गहृभुडिबिरिलयभा॥ मयन'भुडिभिकभिउभुभिभुडिउंङ्गभा॥
मी'उव'म॥ ॥ भय'गील्लंउप'प'यगकल्द'उनेकमः॥ उमभउभुं
गव'डिबैष्टमिवद'प'गः॥ वमउवमभम'ङ्गउभुदे'उंउम'प'ति॥ अदिभ

श्री
रु. म.
७

भवकुतेषमरेषदृमरेषम॥ पउदिमभउंरुअदरंरुदरंरुवभा॥ दिं
भदरंवि एनीयउभउंपरिवलयेउ॥ अउंउंभरुमंयगभदरंरुदभउंरुद॥
येयलुडिदिउंरुअउंभउंरुवववववउ॥ वयंरुगगिल्लये॥ येवभउंरुवि
प्रणअरुनरुपममममिवरुनरुदिधुउ॥ उमरुविमिउंउंइंभेदभरुन
नधिरुभ॥ निधुपपुंयंउंइंभपयंउंयगपयभा॥ निधुपपुंयंममिउं
धुपपुंयंविउ॥ उभयगंमउंवी॥ निधुपपुंयंदिभरुमभ॥ भ
वप्रणपंयंमंउंयपुंयभा॥ भरुमंउंरुउंरुविमिउंरुकउं॥ ॥

५

विउसुभमभउउ॥नमइविप्रदिंभडिधुयेवेमरमरे॥उम सुनंसुठं
 उइमिवगीजेमभरमे॥नमइदिंभरुसेउरउपीइकरंउष॥मरमेर
 मि॥हेलेकेपै॥उयउरनिम॥उपिउिधुडिमइवसुमसुहुऊकर॥
 म॥रद्वगीऊनिमवलिंकल्यनकलिउनिम॥मिवगीजेरतिधु
 मरमेअमिवपदे॥कलिउयेरदिधुनिगीऊउयउरनिम॥उउइसु
 मरविप्रिउिउठेभउरिद्वगे॥उमउउधितवइमिवगीजेउकेर॥
 अउरुसुद्वगीऊनिवलिउनिममगुद॥उसुएउउविप्ररंदिंभरुव

श्री.
 वृ. म.
 ७०

ॐ वै उ म ॥ य भू सु ए ठ वे डे धं उ भू ड सु वि व ल ये उ ॥ नि म लं वि प्र र
दि उं मे द यं उ च य प द भा ॥ म भ उं भू व डे नि डं पि प ल ह उ रे भि उ भा ॥
मे ध भू न च ग भू रं उ द उ पू उ गे म र भा ॥ भू लै प ल वि वि भ लं म ॥ र
च मी उ ल भा ॥ उं ल वू मि व गी कं वे सु ड रै द मि भं भि उ भा ॥ उ भि ड्र नं म
म उ द वि पि भू र क म ॥ ॥ भू उ व म ये उ ड उ च ये वि ड मे व उ ॥
य वि ड्र मि डिक उ ड उ ड चं भ र भं उ म ॥ म प व भू द उ डी कं य वि डि
म म भि उ भा ॥ भ वे उि प्र उि म डै व म दि म ड म भ चि उ ॥ व यं व ड्र मि

उधुरि

सी

व म

७७

ठिभ्रवंमिवगीऊधुमेवरग॥ पउद्रिपरमंगीऊभयंदिपरभैरणपः॥
पउद्रिपरमंभ्रवंउइभ्रवंउवेगुद॥ उद्वगीऊनिभइंर'द्वंमुभचमः॥
म'द्वध्र'निउध्र'तिभ्रउध'एल पवमः॥ गीऊधयेभ्रिउ'केमिऊी
र'द्व'प्री'वेगुद॥ भ्र'उंऊ'भ्र'भ'द्व'तिविस्तरदिउ'धुय॥ मिवगी
ऊप'गिस्तर'ध्र'ध्र'गैगवले'॥ भ्र'उंऊ'व'तिउं'रिउं'भ'एक'भ्र'भ'भ'दिउः॥
रम'इदि'भ'उ'क'सि'त्र'उ'ल'ऊ'ऊ'प'वम॥ न'उ'गै'ध्र'भ्र'व'ले'व'पि'उ'प'उं
ध्र'प्र'नः॥ भ्र'ग'ल'सि'व'गी'ऊ'ध्र'न'कि'सि'म'पि'ल'ध्र'उ॥ ग॥ ग॥ उ'उ'वि

श्री.
रु. म.
७३

वंस भुंक्षे इति परमं उभः॥ ननु भुवि प्रदिभ त्रिये केमि सुवन इये॥
मम न मेव वेत भुन भुते ममि मेम म॥ नमि मे विमि ममेवन भमून
भन विम॥ कगल नउ भंप हृ इ भु गै गव लेन उ॥ प्रकं कु भकं मेव
रेम कं म इतीय कभा॥ पउ सुषा जं य स्त्री उ उ उ ए नं भम गठे उ॥ एये
रले कये इ इ मेदि भने द व लि उ॥ उं विम गय य उ न न विम कु मेरे
मि उ भ॥ इ म पु ति म द भु लि म ग ल उ भु ध म्ना प॥ पके क र भ उ
ध वे प्र प न उ ग मि उ॥ भ वे ध भे व व य रं प्र प न उ मे म के॥ प्र

ॐ उधं रुवेयु ॐ पू ॥ भुउपगंविदः ॥ उरउरादिमरुंवेभमभुभवले
कयेउ ॥ पिङ्गलउरुवेत्रदिभुभुमरुभुधपाप ॥ पू ॥ वंउंरुवे ॥
पिङ्गलउभुवेमिप ॥ उंल्लइपभुउवइमिवंपमभकर ॥ भा ॥ ल्लनमी
पंपएल्लएइल्लरगिरगुद ॥ उमभुभुउंमेवंपिङ्गलउउगेभु
उभा ॥ ल्लमुदभउविल्लेयल्लमयेभउकलिक ॥ उभुभयेभुउंमेवंप
येभुउभपभुउ ॥ अदेमवदिभभुभुमलल्लल्लवलिउभा ॥ कमभ
गिलककरंभदकेदिभभपूरुभा ॥ कल्लउरुलभल्लमंरुधुल्लभभउ

श्री.
रुम.
७५

देरमं भिउभा॥ भमेउर निऊउ नियभउ रेवभेदयेउ॥ मिऊकिंविम
उवऊ भापमत्तेसुठसुठे॥ मिवाऊमपिऊये ~ भवइववविमउः॥
असुठंमसुठंमैवभापंमत्तेउवेवम॥ ऊल्लउउपरमत्रियेगंमइअले
पकभा॥ भादिऊउंमउंवऊपहायेमऊयेयपि॥ पवंल्लहअदिंभवेम
वऊउप्रकरयेउ॥ अउंऊंभरमंयगंभकउउंभेदययिनि॥ दिंभय
ऊनयेगेरमभगरदलेरम॥ येराणत्रिदिउरसूढेलेउंभेइविम
पभा॥ अभाअउयेगेरदिंभकवउिमचम॥ परावउउऊयेऊयेऊ

5

यः दायं गतः॥ पवं ह्यय ए इ चं भ र भं य ग भ ड भ म॥ य भु म च ग उं ठ
 वं य भु रि उ ष, प गे॥ भ भं प सु ति भ चे ध भ दिं भ भु सु ते ड भ॥ य ष भु रि
 प गे उ ड भु भं प सु ति ये गु ट॥ भ भ भु भु सु ते ड भु भु सु ते ड भु सु ते ड भु सु ते॥ भ
 द्वि कं ठ व भ उ द्वि मि वे नें कुं दि भ र भ म॥ भ उ क्क ल मि कं व ड य भ ये कुं
 दि भ च ने॥ उ य कु उ रि दिं भ भु उ भु डं दिं भ प्र व क भ॥ भ उ क्क ल वि भु
 भं कु उ सु कु भु क र भ॥ भु य उ भ न उ व ड वि पि रु भु र क भ॥ भु ड
 उ क्क र भु व ड भु उ सु भिं उ ये व म॥ उ म रु व ति उं ये गुं भ प क भि व प्र ण रे॥

श्री
 वृ म
 ७५

५५
शुद्धं लोपनचक्रं निहसुं भगवतः ॥ १ ॥ शुद्धिः शुद्धिः शुद्धिः
दिके उरभा ॥ निहसुद्धिः दिउं कुडराकि लिङ्गपयडभे ॥ विकले
लेचक्रं ससुं उं मउडुउ ॥ यभूमज्जिउवडुगयस्येण्यतिवैपभा ॥ भमेण
यतिभवेपं कुडनं मभभदुरेग ॥ अउं ऊं ऊं उं वडु सुद्धं निधूयेणभा ॥
भपवकगवं चक्रं लिङ्गपगभकगभा ॥ भपवपगभं भउडु सुद्धुतिउपि
लभा ॥ सुद्धनेन उरभैवयणउपगभसुगभा ॥ यषिङ्गेन विणनेन मभुगुगले
नडु ॥ यणउभनभं यगं भनभउभभीसुगभा ॥ यणउमेवउभवेवडुडु

सुभदस्यः॥ उरुं भं रभे नैव यगे रमिपिव दन॥ योगं कुं हृमभुवंतं
दिमैवतिष्ठति॥ अरुप्रुयमेकं भंभरभंभरभेप्रितभा॥ उंलठिष्टमि
भचं वभं रभेउंमिपिप्रण॥ भकंयणउेयमु विरकं रैषवप्रु॥ उं
उवेकमवप्रुयणउं वउं रैमउे॥ रिल्लं रिभ्रुठवभंभलं प्रुउं उं उतिभां
भरभंमिभ्रुठवेरभं कं रियउेरिय॥ समैव उतिभं कं सिं सिं उं ठवेरि
लंठवेउा॥ उभ्रं उं भवमवप्रु रिउं मक्ति भ्रिउं यणउा॥ मिसेउ उ रिउ
उ रिमिभ्रुठव मिउं मिउा॥ मिउं लु मिभ्रुभ्रुउा कुउा कुउे प्रभं भ्रिउा॥

श्री.
वृ. म.
७०

उड्डु स्रुतु कव निमि सु कृ हतुगे मि उः॥ मं भि उः चि व उ ड्डु न म म म
 च ग ड्डे वि रुः॥ भ व मे वं दि उं व ड्डु ह मि भु प्र क णी न उ म॥ उं दि प्र ण य य
 ड्डे न वि णि रु भु न क ड्डु॥ न क भि म पि उं व ड्डु य भु उं न ह मि भि उः॥ उ भु
 उं प्र ण ये ड्डु ड्डु स दि म उ भु मेः सु ठेः॥ ह मि भु उ प्र न च ड्डु भ व क मे भु प्र
 ण ये उः॥ म भु न य नि मि उ नि मि व ण मे पि ल नि उः॥ उ नि म ड्डु नि म व लि
 क व ति मि पि व ड्डु न॥ भ व क भ नि व उ ड्डु न मं य ग भ उ म भ॥ य गं ड्डु प
 मं ह ड्डु उ ड्डु च य गे ड्डु मे ड्डु म भ॥ उ ड्डु यै य णे ड्डु भु ग ण मं य ग भ सु उः॥

मधुम्लुतममंष्ट्रयंमदिकंपिद्मलेमये॥मधुम्लुतंपरिहृष्टपिद्मलं
 रद्विभ्रितंयणो॥उंविमयययवेनवृद्धरद्विभ्रितंउं॥उंमिमेष्ट्रिभ्रितं
 मेवंते॥मंप्रणयेडुम॥यकिद्रिभ्रितिकुडुंउंमचंपिद्मलेमये॥उं
 रुवनिभक्तलिउदभ्रुनेगतनिड॥मिडयेडुवकभनिभ्रुतषादिभ्रित
 निड॥उदभ्रुनेलयंनइदमिभ्रुप्रणयेडुम॥यभ्रुडदेगतित्राभ्रिद
 मिभ्रुडकषंयणोउ॥दमिभ्रुडदमंभ्रुडउंउंयेवेडिउडुउ॥पकडंउ
 यपडेधंमप्रएंकडुमदति॥प्र॥पनउगभ्रुनामिवेनमिपिवदन

श्री.
 वृ. म.
 ७१

पे

येणयेइएकेवइभवैमएकउमुते॥पूअपरेउमत्रिगुणएभुमम
भत्रिउ॥उभउतेवलयेइइयगकलेउमचम॥भडिकंमइमंनेधे
उरऊदकिवजनम॥वदिप्रएउतेनैवमृषनरुउरुवेगवृद्धमिमु
भुपदउंइलैहंममममम॥मदिमपधमेकेरप्रणिउंउंममरुवेग॥
उतिवृद्धमंनरेमरमप्रएनिलयेनमधदिमपैएल॥॥भुमउव
म॥॥भरमेनैवयगेनभऊदेमचमविम॥उषपिहउमिहमिण
धुंवेमचमपरम॥मीरंसुगउवम॥॥भरमेसुदारेपेसुपूअपरे

श्री
रुम.
७५

मिपिपिण॥रदभुंमैवगुहंमणपुंणपुंउभेउभभा॥एणपुंरदविणं
कं।विवेनपरभाइर॥मप्रनमनमंणपुंभेइभाजदलप्रमभा॥भयि
उभेननवेनमयंभाजपुंममिउः॥उमदंकवयिधुभिगदभुंनडिक
॥भउ॥भवेधभेवकुउनंहुमिभुंययुंयमभा॥भउभसुयउणपुंण
पंडकुमउदिमः॥मसुनवेववहुउल्लरविह्लरवल्लिउः॥पुंडदपुंड
दंवइणपमंएकंउमः॥मवृह्मिचप्रवउरभालिठिपैरभेसुठे॥
भवंमिह्मिउरिह्मभुभिंसुकविउगुद॥मवृभउपुंउउउमि

हिमः

नं उद्भुमिउकः॥ ये भिउद्धैलभउनेवष्टकम्भगल॥ एपंउधंउ
भउैस्रश्रनभइगेनेकमः॥ परगइविमेवइभइउइइयैरारभा॥
पूयेएनंठवेउधभइइनेरकेवलभा॥ उंविमिइभदभेनभइउंइमु
एणुद॥ अषवभइयकदंभरभेभिइयेगुद॥ उंउदंकषयिष्टमि
यषकवउिउकु॥ पडुउविभदभेवेचकविंमडिमंएय॥
इगंएकंउभउंमिषः॥ अदेगइउरेणपुंऊमउंभउउंमिवः॥ मिवरा
पुंऊवेमेधमिवंष्टमिवदरिंभा॥ पूंऊकम्भउपंरभपपूंमेव

म॥ उ० ग० क० य० ह० सु० भ० ए० प० क० ग० उ० गु० द॥ ह० झ० न० द० म० म० उ० उ० द० म० म० उ०
 म० र० ह० मि॥ प० व० स० भ० ग० भ० ह० य० उ० ए० प० क० द० म० म० उ० भ० ॥ ग॥ उ० ति० र० द० म० उ० न०
 म० पु० रि० म० ति० उ० म० प० ए० लः ॥ ग॥ ग॥ क० म० उ० व० म॥ ॥ वि० मि० उ० म० र० भ० ए० प० म० द०
 म० इ० उ० षे० व० म॥ म० यि० क० द० म० मे० उ० उ० उ० द० म० म० द० वै० प्र० ठे॥ म० री० ग० म० र० उ० व० म॥ ग॥ ग॥
 म० य० ह० र० म० उ० व० द० म० मे० द० उ० प्र० क० ए० न० उ० म॥ ह० यो० पि० क० ष० यि० ह० मि० म० यि० क०
 द० उ० म० र० म० म॥ म० र० म० ॥ क० उ० न० म० चे० धे० मि० पि० व० द० न॥ ह० मि० सु० प० र० म० उ० र०
 र० उ० ए० र० ति० भे० दि० उ० ॥ सु० मि० ह० सु० प० उ० उ० सु० उ० ए० म० उ० सु० वै० गु० द॥ ह० ल० र० म० उ०

॥ श्री ॥

॥ म० ॥

॥ ७७ ॥

उण्यैरुभिन्नुषैवम॥ उद्वप'भीउविणिवग्नीयस्त्रिणिवदन॥ वद्वगी
र'द्वउंददुदिंभउिगुद्वकमय॥ भ'रुम'ध'सुम'ध'सुसुसुठैच'मय'रुवेउ॥
उमउेलधउेव'र'द्वगिध'द्वउंदद्वि॥ उ'म'मि'रु'ह'भ'भ'म'म'च'मि'कु'जि
भ'भ'व'भ'॥ य'म'इ'रु'य'उ'य'भ'उ'भ'उंदिंभ'प्र'व'क'भ'॥ अ'दिंभ'प्र'व'क'व'रु
ध'मे'र'द्वगि'प्र'ण'र'भ'॥ मि'व'गि'चे'रु'व'उ'ध'मि'व'भ'मि'व'द'वि'॥ भ'॥ ग'रु
म'य'मि'भ'ं'भ'क'र'इ'दि'उ'इ'प'य'ए'भ'॥ र'दि'ज'क'र'व'क'द'भ'ए'ल'च'ष'य'
रि'न'॥ क'द'भ'व'ं'दि'वै'म'इ'वि'णि'र'मि'पि'व'दन'॥ क'र'इ'य'ं'भि'उ'ं'मे'द'अ'मि

इति यमेवम॥ गच्छपट्टि सिद्धकुंठे रक्तिकुंठे सिद्धिहि॥ भा॥ भापकुंठे
 भित्तुं वक्तुं न भवति दूरीयकमा॥ कुरुयिदित्येव वक्तुं भवति उक्तं भवति॥
 उक्तं दंभं प्रकृति विविध भवति कुरु॥ भवति कुरु भवति कुरु भवति कुरु
 उक्तं यमेवम॥ भवति॥ भित्तुं उक्तं कुरु भवति कुरु भवति कुरु॥ उक्तं कुरु भवति
 कुरु कुरु भवति॥ यमेवम॥ उक्तं कुरु भवति कुरु भवति कुरु भवति कुरु
 गच्छपट्टि मुक्ते सिद्धकुंठे भवति उक्तं॥ उक्तं कुरु भवति कुरु भवति कुरु
 भवति कुरु भवति॥ विषयं उक्तं कुरु भवति कुरु भवति कुरु॥ उक्तं कुरु भवति

एह भुत भुत चंम दयंठ वेग ॥ मिह ते भव कभ निभर भ म प्रि उ निम
प ॥ एह वय वे पें ए दे भ ये ड य स रू भ म ॥ ते ड ते भ व भ पिलं वि सं
भ उ दि रं ठ वे ग ॥ म भ उं ठ व ते व ड भ म उं उं उ डि धु डि ॥ उ म उ म पिलं वि
सं ड पुं ठ व डि म प ग ॥ प ॥ प ॥ प ॥ उ ग भं ड ये हू उं मि पि व द न ॥ उ पि व ड
म उं मि हं उ द भु रं ठ वं प ग म ॥ उ दे ठ व भ उ ए र नि ह भ मि प्र प्र ए ये उ ॥
य मि प्र ए ठ व डे ध भ द य भ भि म सु ठ ॥ ॥ ॥ उ डि वू द भ भू रं भ मि प्र
ए नि म ग नि रु ये न भ भू वि म थ ए लः ॥ ग ॥ ग ॥ भू म उ व म ॥ ॥ ॥

